है।

इकाई - I

प्रश्न 1. समाजशास्त्र के वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य की विवेचना कीजिये।

अथवा

समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य क्या है? इसके स्वरूप को स्पष्ट करें।

इकाई - II

प्रश्न 2. परिवार का महत्व लिखिए।

अथवा

समाजीकरण के महत्वपूर्ण साधनों की व्याख्या कीजिए।

इकाई - III

प्रश्न 3. सामाजिक गतिशीलता की विशेषताओं को स्पष्ट करें।

अथवा

इकाई – IV

प्रश्न 4. सामाजिक परिवर्तन की विशेषताओं को स्पष्ट करें।

अथवा

उद्विकास क्या है? इसकी विशेषताओं को स्पष्ट करें।

इकाई – V

प्रश्न 5. समाजशास्त्र का महत्व लिखिए।

अथवा

समाजशास्त्र और विकास में अन्तर्सम्बन्धों की विवेचना कीजिए।

बी .ए -- प्रथम वर्ष

समाजशास्त्र

प्रश्न पत्र ।।

समकालीन भारतीय समाज

नोट - सभी यूनिट से एक प्रश्न अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान है । पूर्णांक - 100

1. शास्त्रीय दृष्टिकोण से क्या आशय है? शास्त्रीय दृष्टि के आधार पर भारतीय समाज के संरचनात्मक तथा वैचारिक आधार की व्याख्या कीजिए। अथवा पुरुषार्थ की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न प्रकार व समाजशास्त्रीय महत्व की विवेचना कीजिये।

2. ग्राम तथा नगर की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इनकी प्रकृति के आधार पर भारतीय समाज की व्याख्या कीजिए। अथवा

महिला सशक्तिकरण से क्या आशय है ? महिला सशक्तिकरण हेतु शासन की विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यक्रमों की विवेचना कीजिए।

3. जाति व्यवस्था की अवधारणा स्पष्ट कीजिये। भारतीय जाति अवस्था में होने वाले वर्तमान परिवर्तनों की विवेचना कीजिए । अथवा
संयुक्त परिवार का अर्थ व विशेषता बताइए तथा इसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

4. घरेलू हिंसा का अर्थ व प्रकार को स्पष्ट करते हुए इसके समाधान के लिए किए गए प्रयासों का उल्लेख कीजिए । अथवा
दहेज को परिभाषित कीजिए । 'भारतीय समाज में दहेज एक सामाजिक समस्या के रूप में विद्यमान है।' स्पष्ट कीजिए ।

5. अविवाहित दांपत्य संबंध का अर्थ स्पष्ट करते हुए इनके कारणों को समझाइए तथा इससे उत्पन्न समस्याओं को स्पष्ट कीजिए। अथवा

क्षेत्रवाद से आप क्या समझते हैं ? भारत में क्षेत्रवाद के प्रमुख कारणों व दुष्परिणामों की विवेचना कीजिए।

Scanned with CamScanner